सालासर में होटल बुकिंग के नाम पर यात्रियों से करोड़ों की ऑनलाइन ठगी

अब तक दो करोड़ से अधिक रुपए विभिन्न होटल, धर्मशालाओं के नाम पर ठगे

- सायबर फ्रॉड करने वाले ठग सालासर की एक दर्जन से अधिक होटल, धर्मशालाओं की फर्जी वेबसाइड बनाकर करोड़ों रुपए ऐंठ चुके हैं
- सालासर थाने में होटल सृजन के मैनेजर द्वारा मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है, लेकिन पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं
- घटना को लेकर डीजीपी को भी अवगत करा चुके हैं, लेकिन अभी तक पुलिस ठगों तक नहीं पहुंच पाई है

सुजानगढ़, (कासं)। धार्मिक नगरी सालासर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ अब तक करोड़ों रुपए का साइबर फ्रॉड हो चुका है। ये फ्रॉड ऑनलाइन होटल बुकिंग के नाम से किया जा रहा है। सायबर फ्रॉड करने वाले ठग सालासर की एक दर्जन से अधिक होटल, धर्मशालाओं की फर्जी वेबसाइड बनाकर करोड़ों रुपए ऐंठ चुके हैं। इस संदर्भ में सालासर थाने में होटल सृजन के मैनेजर द्वारा मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है, लेकिन मुकदमा दर्ज होने के बाद भी सालासर पुलिस के हाथ अभी तक खाली है। सृजन होटल के मैनेजर कमल अग्रवाल ने बताया कि घटना को लेकर डीजीपी को भी अवगत करा चुके हैं, लेकिन पुलिस ठगों तक नहीं पहुंच पाई है।

सृजन सेवा ट्रस्ट में होटल बुकिंग के नाम पर ऐंठे करोड़ों रुपए :-कमल अग्रवाल ने बताया कि 27 नवंबर को मैनेजर आदित्य शर्मा ने थाने में रिपोर्ट देकर ठगी का मामला दर्ज कराया था, जिसमें पुलिस को बताया गया कि सृजन सेवा सदन सहित अन्य दो, तीन नामों से ठगों के द्वारा फर्जी वेबसाइट बना ली गई। इसके पश्चात कई यूपीआई आईडी में पैसे बुकिंग के नाम पर यात्रियों से डलवा चुके हैं। यात्री अमित कंदोई से 4400 रुपए, अंकुश पनपेजा से 3400 रूपये, सिद्धार्थ जैन से 7480 रुपए, निखिल महाजन से सात हजार रुपए ऑनलाइन फ्रॉड करके ऐंठ लिए गए।

होटल के मैनेजर कमल अग्रवाल ने बताया कि जब श्रद्धालु ऑनलाइन होटल बुक करके सालासर पहुंचे तो घटना का खुलासा हुआ। होटल काउंटर पर बुकिंग की जानकारी श्रद्धालुओं द्वारा दी गई तो मामले का खुलासा हुआ।

निर्माणाधीन मकान पर फायरिंग की :- उदयपुर में कुराबड़ थाना क्षेत्र जगत गांव में निर्माणाधीन मकान पर अज्ञात बदमाश ने फायरिंग की। इसका पता चलने पर पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित किशन पुत्र पूनमचंद खटीक निवासी जगत ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 27 दिसंबर रात में मैं व मेरी मां मोहन बाई, भाई सुरेश, बच्चा रोहित व बच्ची खुशी रात में खाना खाने के बाद सोए थे। देर रात बाद में पटाखा फोड़ने जैसी आवाज आई थी। इस पर दूसरे दिन जाग होने पर देखा तो दरवाजे के प्लास्टर में गड्ढा पाया गया एवं पत्थर की चोखट खंडित होना पाया गया। इस पर अज्ञात बदमाश द्वारा धमकाने की नियत से फायरिंग करने की संभावना जताते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है, जिसकी जांच एएसआई जग्गालाल कर रहे हैं।

पदयात्रा पर निकले पूर्व पार्षद की हार्ट अटैक से मौत

झुंझुनूं, (निसं)। पदयात्रा पर निकले चिड़ावा नगरपालिका के पूर्व पार्षद को हार्ट अटैक आ गया। वे झुंझुनूं-गुढ़ा रोड पर खींवासर के पास बस स्टैंड पर आराम करने रुके थे और बैठे-बैठे गिर पड़े। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से करीब एक घंटे पहले उनका छोटा भाई उन्हें नए शूज भी देकर गया था। मामला झुंझुनूं के गुढ़ागौड़जी थाना के इलाके खींवासर क्षेत्र के स्टेट हाईवे 37 पर बालाजी स्टैंड के पास का बुधवार दोपहर का है।

- चिड़ावा से 88 किमी दूर शाकंभरी धाम के लिए पदयात्रा पर निकले थे पूर्व पार्षद मनोज महमिया

चिड़ावा नगरपालिका के पूर्व पार्षद मनोज महमिया।

गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी सुरेश रोलन ने बताया कि स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति के सड़क पर पड़े होने की सूचना दी थी। इसके बाद यहां पहुंचे तो पता चला कि व्यक्ति चिड़ावा निवासी 45 वर्षीय मनोज महमिया है। मनोज खुद तथा उनकी पत्नी अंजू महमिया चिड़ावा नगर पालिका में पार्षद रह चुकी हैं। एम्बुलेंस की मदद से शव को गुढ़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में भिजवाया गया। परिजनों के अनुसार मनोज बुधवार सुबह छह बजे चिड़ावा से 88 किमी दूर शाकंभरी धाम के लिए पदयात्रा पर निकले थे। इस दौरान चिड़ावा से 13 किमी आगे सोलाना के पास उनके जूते टूट गए थे। ऐसे में करीब 11 बजे के करीब उन्होंने जूते देकर जाने के लिए फोन किया था। तब छोटा भाई जाकर उन्हें नए जूते देकर गया था। इसके बाद यहां से 10 किमी आगे खींवासर बस स्टैंड के पास आराम करने के लिए रुके थे। वहीं बैठे बैठे गिर गए।

जानकारी के अनुसार, पत्नी अंजू नगर पालिका के वार्ड नंबर 20 से पार्षद चुनी गई थी। 24 सितम्बर 2025 को डीएलबी निदेशक ने लेटर जारी कर पार्षद से आयोग्य घोषित कर दिया था। पार्षद बनने से पहले उनकी 2 बेटियां थीं, बाद में 1 बेटा और हुआ था जिसके बाद 2 से अधिक संतान के नियम के आधार पर उन्हें सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था। मनोज से पहले पिता रतन लाल महमिया और मनोज की माता जी का भी इसी साल देहांत हो गया था। परिवार में अब पत्नी निवर्तमान पार्षद अंजू महमिया और दो बेटियों व एक बेटे के अलावा छोटा भाई संजय व उसका परिवार है।

ठगी करने का आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। थाना पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य को दबोचा है, जो पीतल की माला को पुराने जमाने का असली सोना बताकर लाखों की ठगी करता था।

- पीतल की माला को पुराने जमाने का असली सोना बताकर लाखों की ठगी की

आरोपी खीमाराम बागरी

जानकारी के अनुसार मामला 21 जुलाई 2025 का है, जब शहर के एक व्यापारी अभिषेक असावा को दो लोग मजदूर बनकर मिले। उन्होंने खुद को खाटूश्याम भक्त बताया और मजबूरी का बहाना बनाकर पुश्तैनी सोना बेचने की पेशकश की। झांसे में लेने के लिए उन्होंने जांच के लिए असली सोने का एक छोटा टुकड़ा दिया, जो जांच में सही निकला। व्यापारी का भरोसा जीतने के बाद, 29 जुलाई को कुंभा सर्किल पर आरोपियों ने व्यापारी से 23 लाख रुपये नकद ले लिए और बदले में पीतल के गहनों से भरी थैली थमाकर फरार हो गए। एसपी धर्मेंद्र सिंह और एएसपी पारस जैन के निर्देशन में प्रतापनगर थाना प्रभारी राजपाल सिंह की टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी खीमाराम बागरी (33) को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से जालौर का रहने वाला है।

पूछताछ में खीमाराम ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। यह गिरोह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में फूल और गमले बेचने की आड़ में रईस लोगों को टारगेट करता था। खीमाराम ने भीलवाड़ा, राजसमंद, उज्जैन, पुणे और बारां में 10 से ज्यादा वारदातों को कबूला है, जिनमें लाखों रुपये ठगे गए। फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

नये साल के आगमन पर रणथंभौर पहुंचे हजारों पर्यटक

सवाईमाधोपुर, (नि.सं.)। विश्व के जाने-पहचाने रणथंभौर टाइगर रिजर्व में नया साल 2026 का जश्न मनाने देश-विदेश से हजारों की संख्या में पर्यटक पहुँचे हुए हैं। होटल इंडस्ट्री और अभयारण्य से जुड़े लोगों ने बताया कि सवाईमाधोपुर में नया साल को सेलिब्रेट करने के लिए भारी संख्या में पर्यटक आने से टाइगर सफारी में एक भी टिकट खाली नहीं है और सभी होटल में कमरे फुल है।

- टाइगर सफारी बुकिंग से लेकर होटल के कमरे तक सब कुछ फुल
- रणथंभौर में इस साल पिछले सालों की तुलना में पर्यटक अधिक आ रहे हैं

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में पर्यटकों ने टाइगर सफारी का लुत्फ उठाया।

टिकट की बात करें तो आगामी एक सप्ताह के लिए बुकिंग फुल चल रही है। रणथंभौर नेशनल पार्क बाघों की अठखेलियों को लेकर देश-विदेश तक विख्यात है। यहां आमतौर पर सालभर देशी और विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहता है। रणथंभौर में बुकिंग आगामी एक सप्ताह के लिए फुल चल रही है। कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी अपने पूरे परिवार के साथ 30 दिसंबर को दोपहर सवाईमाधोपुर पहुँचे थे। उनका होटल शेरबाग में 2 जनवरी तक रुकने का कार्यक्रम बता गया है। उनके कुछ परिवार के सदस्यों ने टाइगर सफारी भी की है। आगामी दिनो में राहुल गांधी प्रियंका गांधी भी अभयारण्य भ्रमण पर जा सकते हैं।

रणथंभौर के पर्यटन डीएफओ संजीव शर्मा का कहना था कि रणथंभौर में इस साल पिछले सालों की तुलना में पर्यटक अधिक आ रहे हैं, जिसके चलते विभाग को भी सभी पर्यटकों को टाइगर सफारी करवाने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि एनटीसीए की गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों की मदद की जा रही है। डीएफओ शर्मा का कहना है कि एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार रणथंभौर में एक पारी में 140 से 145 वाहन ही भ्रमण पर भेजे जा सकते हैं। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभाग की ओर से पांच वाहन पर्यटकों के लिए अलग से चलाए गए हैं, लेकिन वह वाहन भी ना के बराबर साबित हो रहे हैं। पर्यटन डीएफओ संजीव शर्मा ने बताया कि आगामी पांच जनवरी तक रणथंभौर में टाइगर सफारी पूरी तरह फुल चल रही है।

करंट की चपेट से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में एक मकान पर कबूतर जाली लगाने के लिये नाप लेने के दौरान बालकनी के सामने निकल रहे विद्युत तार की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार श्रीनाथपुरम् निवासी सोनू शाक्यवाल (26) अपने बड़े भाई के साथ काम पर गया था। सोनू व उसका भाई दोनों फेब्रिकेशन का काम करते हैं, दादाबाड़ी में एक मकान पर जहां कबूतर जाली लगानी थी, मौके पर गये थे। साईट पर सोनू नाप लेने के लिये मकान के दूसरे फ्लोर पर गया, जहां नाप लेने के दौरान बालकनी से गुजर रहे विद्युत करंट की चपेट में आने से अचेत हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दादाबाड़ी थानाधिकारी बलदेव राम ने बताया कि सोनू शाक्यवाल मकान पर कबूतर जाली लगाने के लिये नाप ले रहा था, नाप लेने के दौरान नाप लेने वाला फीता छूटकर विद्युत लाईन पर गिरा, जिससे करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

- जाली लगाने के लिये नाप लेने के दौरान करंट लगा

भीलवाड़ा में एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भीमगंज थाना पुलिस और डीएसटी ने दो तस्करों को दबोचा।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीमगंज थाना पुलिस और डीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई में 17 ग्राम से ज्यादा एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा जिले में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत भीमगंज थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने शहर में मादक पदार्थ एमडी की तस्करी करने वाले दो शातिर आरोपियों को रंगे हाथों दबोचा है। पुलिस उपाधीक्षक माधव उपाध्याय और सज्जन सिंह के सुपरविजन में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने 29 दिसंबर को गश्त के दौरान दो संदिग्धों को रोका। तलाशी लेने पर उनके पास से 17.77 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आफताब सिलावट उर्फ मॉडल निवासी गुलजार नगर और वसीम अकरम उर्फ पुई उर्फ अक्कू निवासी सांगानेरी गेट के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में भीमगंज थाना प्रभारी उगमाराम और उनकी टीम के साथ-साथ डीएसटी (जिला विशेष शाखा) के हेड कांस्टेबल बंटी और कांस्टेबल शम्भु जीनगर का विशेष योगदान रहा। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि यह पता चल सके कि वे यह ड्रग्स कहां से लाए थे और किसे सप्लाई करने वाले थे।

आयोग ने मॉडल उत्तरकुंजी जारी की

अजमेर, (कासं)। सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 के अंतर्गत हिंदी, पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, इंग्लिश एवं फिजिक्स विषय की मॉडल उतरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं।आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षा का आयोजन 8 से 11 दिसंबर 2025 तक किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उतरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 3 से 5 जनवरी को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

झुंझुनूं रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाने की मांग, आज से चलेगा अभियान

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं रेलवे स्टेशन को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को लेकर शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति द्वारा एक जनवरी से "झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान" चलाया जाएगा।

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि एक जनवरी 2026 को समिति द्वारा झुंझुनूं रेलवे स्टेशन के अधीक्षक को रेल मंत्री, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक एवं जयपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के नाम अलग-अलग मांग पत्र सौंपे जाएंगे। इस अभियान में झुंझुनूं से होकर नई रेल सेवाओं का संचालन शुरू करवाने एवं यात्री सुविधाओं की विभिन्न मांगों को भी शामिल किया गया है। अभियान में प्रमुख रूप से झुंझुनूं से चनाना, जसरापुर, खेतड़ी, निजामपुर, झुंझुनूं से बिसाऊ, चुरू, झुंझुनूं से मंड्रेला, पिलानी, सादुलपुर, झुंझुनूं से गुढ़ा, उदयपुरवाटी, नीमकाथाना, नूआं से मंडावा, फतेहपुर शेखावाटी, रतनगढ़, चिड़ावा से सिंघाना, खेतड़ी, डाबला, नवलगढ़ से लोहार्गल, शाकंभरी, उदयपुरवाटी, नीमकाथाना के लिए नई रेल लाइनें बिछाने की मांगें शामिल है। अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान में झुंझुनूं से होकर अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, पुणे, दिल्ली, हरिद्वार, कोलकाता, गुवाहाटी, श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा, उदयपुर सिटी, जोधपुर एवं श्रीगंगानगर के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने तथा झुंझुनूं से प्रतिदिन दोपहर बाद जयपुर के लिए एवं जयपुर से प्रतिदिन शाम को झुंझुनूं के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांगें भी शामिल की गई है। जन संघर्ष अभियान में सूरजगढ़, चिड़ावा, रतनशहर, नूआं, डूंडलोद मुकुंदगढ़, नवलगढ़, बिसाऊ एवं महनसर आदि रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों की लंबाई एवं ऊंचाई बढ़ाने तथा सूरजगढ़, रतनशहर, नूआं, डूंडलोद मुकुंदगढ़, नवलगढ़ एवं बिसाऊ आदि रेलवे स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज बनाने की मांगों को भी शामिल किया गया है।

3300 किमी की पैदल यात्रा पर निकले पर्यावरणविद् रॉबिन सिंह का स्वागत

बूंदी, (निसं)। गंगोत्री (गौमुख) से रामेश्वरम् तक नदियों को बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर 3300 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे प्रसिद्ध पर्यावरणविद् रॉबिन सिंह बुधवार को अपने यात्रा पड़ाव के दौरान छोटी काशी बूंदी पहुंचे। यहां पहुंचने पर स्थानीय पर्यावरणविदों और सामाजिक संगठनों ने रॉबिन सिंह का स्वागत व अभिनंदन किया।

बूंदी में वरिष्ठ पर्यावरणविद एवं समाजसेवी विट्ठल सनाढ्य की अगुवाई में रॉबिन सिंह का स्वागत किया गया। त्रिलोकी नाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक और पर्यावरण प्रेमियों ने उनका सत्कार किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कुंज बिहारी बिलिया, समाजसेवी संदीप चंदवानी और पर्यावरण कार्यकर्ता आनंद सनाढ्य ने रॉबिन सिंह का माल्यार्पण कर स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान रॉबिन सिंह ने अपनी यात्रा के अब तक के संस्मरण साझा किए और नदियों की बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। इस दौरान शिक्षाविद् अशोक तलवास, सतीश जोशी, बलभद्र सिंह कापरेन, संजय पुरी, जगदीश सिंह हाड़ा, बुद्धिप्रकाश पुंडीर ने उनके इस पुनीत कार्य और दृढ़ संकल्प की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि नदियों को बचाने के लिए ऐसी जागरूकता यात्राएं समय की मांग हैं। इस महायात्रा में रॉबिन सिंह अकेले नहीं हैं, बल्कि उनके साथ उनकी पत्नी रागिनी सिंह, राम धीरज सिंह और रविंद्र सिंह भी लगातार कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं।

पर्यावरणविद् रॉबिन सिंह का बूंदी में माला पहनाकर स्वागत किया।

मांगों को लेकर अजमेर डिस्कॉम विद्युत कर्मचारी संघ का झुंझुनूं में प्रदर्शन

15 दिन में मांगें नहीं मानी तो कर्मचारी संघ ने अनशन की चेतावनी दी

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित हवाई पट्टी के समीप अजमेर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अजमेर डिस्कॉम विद्युत कर्मचारी संघ की ओर से प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में जिले के 24 उपखंडों से आए बिजली कर्मचारियों ने भाग लिया। कर्मचारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध जताया।

संघ के जिला महामंत्री सुरेश शर्मा ने बताया कि जिले में जिन 33 केवी जीएसएस को ठेके पर दिया हुआ है। उनका संचालन निगम की शर्तों के अनुरूप नहीं हो रहा है। साथ ही वहां कार्यरत कर्मचारी भी निगम के मानकों के अनुसार नहीं हैं, जिससे जीएसएस का समुचित संचालन प्रभावित हो रहा है और डिस्कॉम को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा तकनीकी कर्मचारियों के बतौर फीडर इंचार्ज का करीब 44 लाख रुपए का इंसेंटिव पिछले छह माह से नहीं मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकांश बिल्डिंग व जीएसएस भवन क्षतिग्रस्त अवस्था में है, जिनका शीघ्र निर्माण कराया जाना आवश्यक है। तकनीकी कर्मचारियों की संख्या के अनुपात में बिलिंग मशीनों की कमी है। जिसे पूरा किया जाए। साथ ही सभी कर्मचारियों को परिचय पत्र जारी करने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए सद्बुद्धि यज्ञ भी किया। संघ ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा। धरने की अध्यक्षता सुभाष चेजारा ने की।

झुंझुनूं में अजमेर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर कर्मचारी संघ ने प्रदर्शन किया।

इस मौके पर डिस्कॉम महामंत्री देवकरण सैनी ने बताया कि मांगों को ना माने जाने पर 16 जनवरी से क्रमिक अनशन शुरू होगा। धरने में अधीक्षण अभियंता महेश कुमार ने आकर उचित मांगों के निस्तारण का आश्वासन दिया। साथ ही प्रबंध निदेशक ने अधीक्षण अभियंता से तुरंत वार्ता कर जल्द फीडर इंसेंटिव भुगतान का कार्मिकों को आश्वस्त किया। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री राजेश जांगिड़, वृत्त परिसर अध्यक्ष मूलचंद महला, श्रमिक संघ के जिला उपाध्यक्ष अनिल शर्मा आदि ने विचार रखे। खेतड़ी अध्यक्ष रमेश सैनी ने पांच भजन करवाकर प्रशासन को जागृत करने का संदेश दिया। धरने में जिले सभी उपखंडों पदाधिकारी कार्मिक शामिल हुए। जिला संयुक्त महामंत्री शैलेश यादव, अजीत लमोरिया, जिला उपाध्यक्ष वीपीसिंह, द्वारका, मानसिंहप्रसाद, मनोज झेरली, अशोक सैनी, सह संगठन मंत्री राजवीर सामरिया, विशाल कर्णावत, सुनिल, प्रवीण अवाना, श्रीराम, मनोजसिंह, रजनीश स्वामी, मनोज झेरली, जयवीरसिंह, हरकेश सैनी, कर्मवीर, राजेंद्र सैनी, आनंद, गुरुदयाल, श्रवणकुमार, अनिलकुमार, राहुल कुलहरि, वीरेंद्र सैनी, सीताराम सैनी, रामसिंह सैनी, भजनलाल, अजीत मीणा, विकास सैनी, ओमप्रकाश बिजारणिया, सोमेश स्वामी, अशोक सैनी, महेंद्र गुर्जर, जयसिंह, अनिलकुमार, दलीपकुमार, विकासकुमार, विजेंद्र झाझड़िया, विजयपाल चाहर, विकास नेहरा, संदीप शर्मा, रमेश सैनी, सुनिल सैनी, मुकेश सैनी, विकास सैनी, प्रमोद सैनी, बीकू मीणा व विजयपाल गुर्जर सहित सैंकड़ों कार्मिक शामिल हुए।

- प्रदर्शन में जिले के 24 उपखंडों से आए बिजली कर्मचारियों ने भाग लिया

प्रदेश की 502 स्कूल जर्जर अवस्था में, 212 भवन बैठने लायक नहीं

बीकानेर, (निसं)। राज्य की 502 स्कूलों की बिल्डिंग जर्जर है। इसमें से 212 स्कूलों के भवन इतने जर्जर है कि बच्चों के लिए बिल्कुल सुरक्षित नहीं है। इन स्कूलों के छात्रों को अब अस्थायी रूप से पास के सुरक्षित स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा। वहीं 290 स्कूलों में बच्चों को उसी स्कूल के दूसरे क्लासरूम में शिफ्ट किया जाएगा।

सबसे ज्यादा प्रतापगढ़ जिले में 26 स्कूल भवन जर्जर है। इसके बाद बीकानेर 18, बालोतरा में 16 और झालावाड़ में 15 स्कूल भवन बिल्कुल खराब हालत में हैं। 34 जिलों में 290 जर्जर स्कूल भवनों को चिह्नित किया है। पांच महीने पहले झालावाड़ के पिपलोदी में जर्जर स्कूल भवन की छत गिर गई थी। मलबे में दबने से सात बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद संभावित हादसों वाले स्कूलों भवनों का सर्वे कर चिह्नित किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग डायरेक्टर सीताराम जाट ने बताया कि प्रदेश में कुल 502 राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल ऐसे हैं, जिनके भवन जर्जर हैं। 290 स्कूलों में बच्चों को उसी स्कूल भवन के अन्य कमरों में शिफ्ट किया जाएगा। वहीं। 212 जर्जर स्कूल भवन इतने खराब हैं कि वहां बच्चों को बैठाना सुरक्षित नहीं है। मरम्मत कार्य पूरा होने तक जर्जर भवन वाले स्कूलों के छात्रों को सबसे नजदीकी सुरक्षित स्कूल में भेजा जाएगा। कोशिश रहेगी कि एक कक्षा के छात्र एक ही स्कूल में पढ़ें। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के छात्रों को अलग-अलग कक्षाओं में पढ़ाया जाएगा, ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो।

अगर किसी स्कूल में बच्चों की संख्या ज्यादा हो जाती है तो कक्षाएं शिफ्ट में चलाई जाएंगी। इसके लिए सुबह और दोपहर की अलग-अलग शिफ्ट बनाई जा सकती हैं। ताकि सभी बच्चों की पढ़ाई नियमित रूप से चलती रहे। महात्मा गांधी सरकारी स्कूल अगर किसी दूसरे स्कूल में चल रहे हैं और वहां जगह की कमी होती है, तो उन्हें भी जरूरत के अनुसार दूसरे सुरक्षित स्कूल में शिफ्ट किया जा सकेगा।

माध्यमिक शिक्षा विभाग डायरेक्टर सीताराम जाट ने बताया कि जहां भी छात्रों को दूसरे स्कूल में भेजा जाएगा, वहां अभिभावकों को लिखित सूचना दी जाएगी। स्कूल के नोटिस बोर्ड पर भी जानकारी चस्पा की जाएगी। जर्जर भवन वाले स्कूलों के विद्यार्थियों को शिफ्ट करने के बाद अतिरिक्त स्टाफ की जिम्मेदारी तय की गई है। शिक्षकों को अभिभावकों से संपर्क में रहकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई छात्र अनुपस्थित न रहे। इसके साथ ही ड्रॉपआउट की स्थिति न बने। इसके लिए वॉट्सऐप ग्रुप बनाकर मॉनिटरिंग करने और स्थानीय स्तर पर काउंसलिंग के निर्देश भी दिए गए हैं। निगरानी की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित पीईईओ/सीबीईओ को सौंपी गई है।